



FPI डस्क्लोज़र मानदंड

प्रलिस के लयः

भारतीय प्रतभूतऱ और वनऱमऱय बोरड (SEBI), वदऱशी पोरटफोलऱयो नवऱशक (FPI), प्रबंघन के तहत संपततऱ (AUM) ।

मेन्स के लयः

FPI प्रकटीकरण मानदंड, भारतीय अर्थव्यवस्था और योजनऱ, संसऱधनों कऱ वतऱरण, वृद्धऱ, वकऱस तथऱ रोजगऱर से संबंघतऱ मुददे ।

[सरोतःइंडयऱन ँक्सपरेस](#)

चरुऱ में क्युँ?

हऱल ही में भारतीय प्रतभूतऱ और वनऱमऱय बोरड (Securities and Exchange Board of India - SEBI) ने वदऱशी पोरटफोलऱयो नवऱशकों (Foreign portfolio investors - FPIs) दवऱरऱ अतरऱकऱत प्रकटीकरण प्रदऱन करने के लयऱ और महीने बद्धऱ दयऱ हैं ।

- मई 2023 में, SEBI ने अनुमऱन लऱगऱयऱ कऱ लऱगभऱग 2.6 लऱख करोड रुपऱ की FPI प्रबंघन के तहत संपततऱ (Under Management - AUM) को संभऱवतऱ रूप से उच्च जोखऱमऱ वऱले FPI के रूप में पहचऱनऱ जऱ सकतऱ है, जसऱ 31 मऱरु, 2023 तक के ँकडुँ के ँधऱर पर अतरऱकऱत प्रकटीकरण की ँवशुयकतऱ हऱगी ।
- उच्च जोखऱमऱ वऱले FPI जो ँक ही कऱरुपरेट इकऱई में ँपनी इकुवऱटी (AUM) के 50% यऱ उससे ँधकऱ के स्वऱमी हैं ।

SEBI के FPI प्रकटीकरण मानदंड क्यऱ हैं?

- अतरऱकऱत प्रकटीकरण के लऱए ँवशुयकतऱ:
 - ँकल भारतीय कऱरुपरेट समूह में ँपने भारतीय इकुवऱटी AUM कऱ 50% से ँधकऱ रखने वऱले यऱ भारतीय बऱरऱरों में 25,000 करोड रुपऱ से ँधकऱ इकुवऱटी AUM रखने वऱले FPI को अतरऱकऱत वऱवरऱन प्रदऱन करनऱ ँवशुयक है ।
- अनुपऱलन के लयऱ समय-सीमऱ:
 - मऱजूदऱ FPI जो ँकतूबर 2023 तक नवऱश सीमऱ कऱ उललंघन कर रहे हैं, उनहूँ 90 कऱलेंडर दनऱँ के ँंदर ँपने ँक्सपोजर को कम करने की ँवशुयकतऱ है, जब तक कऱवे कऱसी छूट वऱली श्रेणी में नहऱँ ँते ।
 - यदऱ FPI ँपने नवऱशकों के बऱरे में डेटऱ कऱ खुलऱसऱ करने के लयऱ जनवरी के ँंत की समय-सीमऱ को पूरऱ नहऱँ करते हैं, तो उनहूँ कथतऱ तऱर पर ँपनी हऱलडगऱस को सऱमऱप्त करने के लयऱ अतरऱकऱत सऱत महीने कऱ समय मलऱगऱ ।
 - प्रतभूतऱयऱँ में कऱसी पद को छऱडने कऱ कऱरुय, ँम तऱर पर इसे नकदी के लयऱ बेचकर, हऱलडगऱ के परसऱमऱपन के रूप में जऱनऱ जऱतऱ है । उदऱहरण के लयऱ, ँक नवऱशक ँपने पोरटफोलऱयो में मऱजूद सभऱ शेरुँ यऱ उसके ँक हऱसऱसे को नकदी के लयऱ बेचने कऱ वकऱल्प चुन सकतऱ है ।
- छूट प्रऱप्त श्रेणऱयऱँ:
 - FPI की कुछ श्रेणऱयऱँ को अतरऱकऱत छूट दी गई है ।
 - इनमें सऱवरेन वेल्थ फंड (Sovereign Wealth Funds - SWFs), कुछ वैशुवकऱ ँक्सचेंजुँ पर सूचीबद्ध कंपनऱयऱँ, सऱरुवजनकऱ खुदरऱ फंड और वऱवऱधऱ वैशुवकऱ हऱलडगऱस वऱले अनुय वनऱयऱमतऱ जमऱ नवऱश वऱहन शऱमलऱ हैं ।

SEBI ने FPI को अतरऱकऱत खुलऱसे प्रदऱन करने के लयऱ क्युँ कऱहऱ है?

- बऱरऱर में वुयवधऱन कऱ जोखऱमऱः SEBI को चऱतऱ है कऱँकल नवऱशतऱ कंपनी यऱ कऱरुपरेट समूह में केंदरतऱ इकुवऱटी पोरटफोलऱयो वऱले FPI भारतीय प्रतभूतऱ बऱरऱरुँ के वुयवसुथतऱ कऱमकऱज के लयऱ जोखऱमऱ उतुपनन कर सकते हैं ।
 - ँसी चऱतऱ है कऱँँसी संसुथऱऱुँ, वऱशऱष रूप से महतुतुवपूरण हऱसऱसेदऱरी वऱली संसुथऱऱुँ, FPI मऱरुग कदुरुपयऱग करके संभऱवतऱ रूप से बऱरऱर को बऱधतऱ कर सकतऱ है ।

- **संभावित नयामक धोखाधड़ी:** नयामक इस संभावना से सावधान है कि निवेशित कंपनियों के प्रमोटर या एकजुट होकर काम करने वाले अन्य निवेशक नयामक आवश्यकताओं को दरकिनार करने के लिये FPI मार्ग का उपयोग कर सकते हैं।
 - इसमें शेयरों के पर्याप्त अधग्रहण और अधग्रहण विनियम, 2011 (SAST विनियम) द्वारा अनिवार्य खुलासे से बचना या सूचीबद्ध कंपनी में न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (MPS) आवश्यकताओं को पूरा करने में असफल होना शामिल है।
- **नयामक उद्देश्यों के साथ संरेखण:** SEBI का लक्ष्य भारतीय प्रतभूत बाजारों की अखंडता, पारदर्शिता और स्थिरता सुनिश्चित करना है।
 - FPI से वसितुत जानकारी प्राप्त करके, नयामक FPI गतिविधियों को नयामक उद्देश्यों के साथ संरेखित करना, दुरुपयोग को रोकना और बाजार की अखंडता को बनाए रखना चाहता है।
- **PN3 बहिष्करण:** जबकि अप्रैल 2020 में केंद्र सरकार द्वारा जारी प्रेस नोट 3 (PN3) विशेष रूप से FPI निवेश पर लागू नहीं होता है, सेबी अभी भी FPI मार्ग के संभावित दुरुपयोग के बारे में चिंतित है।
 - SEBI का मानना है कि इन चिंतियों को दूर करने और भारतीय प्रतभूत बाजारों के हितों की रक्षा के लिये FPI से अतिरिक्त खुलासे प्राप्त करना आवश्यक है।

प्रेस नोट 3 क्या है?

- **कोविड-19 महामारी** के दौरान, केंद्र सरकार ने एक प्रेस नोट 3 (2020) के माध्यम से **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)** नीति में संशोधन किया।
 - ऐसा कहा गया था कि ये संशोधन सस्ते मूल्यांकन पर तनावग्रस्त भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधग्रहण को रोकने के लिये किये गए थे।
- नए विनियमों के अनुसार, किसी देश की इकाई, जो भारत के साथ भूमि सीमा साझा करती है या जहाँ भारत में निवेश का लाभकारी अधिकारी स्थिति है या ऐसे किसी भी देश का नागरिक है, को केवल सरकारी मार्ग के तहत निवेश करने की आवश्यकता है।
 - विदेशी निवेशकों के लिये निवेश के दो मार्ग हैं, सरकारी रूट और ऑटोमैटिक रूट।
 - सरकारी मार्ग का तात्पर्य विदेशी निवेश के लिये नयामक नकियों से आधिकारिक अनुमोदन प्राप्त करना है, जबकि स्वचालित मार्ग पूर्व अनुमोदन के बिना निवेश की अनुमति देता है, जो उन क्षेत्रों में आम है जहाँ विदेशी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है।
- साथ ही, भारत में किसी इकाई में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी मौजूदा या भविष्य के FDI के स्वामित्व के हस्तांतरण की स्थिति में, जिसके परिणामस्वरूप लाभकारी स्वामित्व उक्त नीति संशोधन के प्रतबंध/दायरे के अंतर्गत आता है, लाभकारी स्वामित्व में ऐसे उत्तरोत्तर बदलाव के लिये भी सरकारी अनुमोदन की आवश्यकता होगी।
- प्रेस नोट 3 (2020) को विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गेर-ऋण लिखित) संशोधन नियम, 2020 के माध्यम से लागू किया गया था।
 - प्रेस नोट 3 अभी भी जनवरी 2024 तक लागू है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक क्या हैं?

- विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (Foreign portfolio investment- FPI) में विदेशी निवेशकों द्वारा निष्क्रिय रूप से रखी गई प्रतभूतियाँ और अन्य वित्तीय संपत्तियाँ शामिल हैं। यह निवेशक को वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष स्वामित्व प्रदान नहीं करता है और बाजार की अस्थिरता के आधार पर अपेक्षाकृत चल है।
 - FPI के उदाहरणों में स्टॉक, बॉण्ड, म्यूचुअल फंड, एकसचेंज-ट्रेडेड फंड, अमेरिकन डेपॉजिटरी रसीद (ADR) और ग्लोबल डेपॉजिटरी रसीद (GDR) शामिल हैं।
- FPI किसी देश के पूंजी खाते का हिस्सा है और इसे उसके भुगतान संतुलन (BOP) पर दिखाया जाता है।
 - BOP एक वित्तीय वर्ष में एक देश से दूसरे देशों में प्रवाहित होने वाली धनराशिका आकलन करता है।
- भारतीय प्रतभूत और विनियम बोर्ड (SEBI) द्वारा वर्ष 2014 के पूर्ववर्ती FPI विनियमों की जगह नए FPI विनियम, 2019 लाए गए।
- किसी अर्थव्यवस्था में संकट के पहले संकेत पर बहिरप्रवाह की प्रवृत्ति के कारण FPI को प्रायः "हॉट मनी" कहा जाता है। FPI FDI की तुलना में अधिक चल, अस्थिर और इस कारण जोखिम भरा है।

FDI और FPI



प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

FDI:

■ किसी दूसरे देश में स्थित व्यवसायों और संपत्तियों में विदेशी संस्थाओं/व्यक्तियों द्वारा किया गया निवेश

FDI के अंतर्वाह हेतु मार्ग:

स्वचालित मार्ग:

- ◆ किसी पूर्व सरकारी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है
- ◆ गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 100% तक की अनुमति

सरकारी मार्ग:

- ◆ कुछ क्षेत्रों में या विशिष्ट सीमा से ऊपर के निवेश के लिये आवश्यक
- ◆ उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) और RBI द्वारा प्रशासित

स्वचालित और सरकारी रूट के माध्यम से स्वीकृति के उदाहरण:

- बैंकिंग (निजी क्षेत्र): 49% तक (स्वायत्त) + 49% से ऊपर और 74% तक (सरकारी)
- रक्षा: 74% तक (स्वायत्त) + 74% से अधिक (सरकारी)
- हेल्थकेयर (ब्राउनफील्ड): 74% तक (स्वायत्त) + 74% से ऊपर (सरकारी)
- दूरसंचार सेवाएँ: 49% तक (स्वायत्त) + 49% से अधिक (सरकारी)

विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (FIPB):

- वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आता है
- FDI प्रस्तावों को संसाधित करने के लिये जिम्मेदार - विदेशी निवेश सुविधा पोर्टल (FIP) द्वारा सुविधा प्रदान की गई
- सरकार की मंजूरी के लिये सिफारिशें करना

भारत (चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान) के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से FDI के लिये सरकार को पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है।

भारत के शीर्ष 5 FDI स्रोत (वित्त वर्ष 2022-23):

- मॉरीशस
- सिंगापुर
- अमेरिका
- नीदरलैंड
- जापान

FDI आकर्षित करने वाले भारत के शीर्ष क्षेत्र (वित्त वर्ष 2022-23):

- सेवा क्षेत्र
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर
- व्यापार
- दूरसंचार
- ऑटोमोबाइल उद्योग



विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI)

FPI:

- वित्तीय संपत्तियों में विदेशी व्यक्तियों, संस्थानों या निधियों द्वारा किये गए निवेश
- फ्लॉइ बाय नाइट या हॉट मनी के नाम से जाना जाता है

महत्वपूर्ण विशेषताएँ:

- स्वामित्व प्राप्त किये बिना वित्तीय संपत्तियों की खरीद होती है
- निष्क्रिय निवेश वृष्टिकोण
- निवेशक लाभांश, ब्याज और पूंजी वृद्धि के माध्यम से रिटर्न अर्जित करते हैं

उदाहरण:

- स्टॉक, बॉण्ड आदि।

नियामक संस्था:

- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI)

FDI और FPI के बीच अंतर

विशेषताएँ	FDI	FPI
निवेश की प्रकृति	दीर्घकालिक	अल्पकालिक
उद्देश्य	दूसरे देश में दीर्घकालिक निवेश	निवेश पर त्वरित रिटर्न अर्जित करना
नियंत्रण	महत्वपूर्ण (निवेशित इकाई पर)	नहीं या सीमित नियंत्रण
निवेश	मूर्त संपत्ति (जैसे, कारखाने, भवन)	वित्तीय संपत्ति (जैसे, स्टॉक, बॉण्ड)
रिटर्न	लाभ, लाभांश और पूंजी अभिमूल्यन	लाभांश, ब्याज, और पूंजी अभिमूल्यन
नीति विनियम	सरकार की नीतियाँ और क्षेत्र-विशिष्ट नियम	लचीले नियम और आसान प्रवेश/निकास
अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	रोज़गार सृजन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और आर्थिक विकास	अल्पकालिक तरलता प्रदान करता है और शेयर बाजार को प्रभावित करता है



//

FPI से संबंधित लाभ और चर्चाएँ क्या हैं?

■ लाभ:

- FPI भारत के लिये प्रमुख लाभ का स्रोत है, जिसमें बढी हुई नकदी/चलनधि, उच्च शेयर बाजार मूल्यांकन और वैश्विक बाजार

एकीकरण शामिल हैं।

○ वदेशी पूंजी की आय आर्थिक विकास और प्रतस्पर्द्धात्मकता, विशेषकर प्रौद्योगिकी-उन्मुख क्षेत्रों में योगदान देता है।

■ चर्चाएँ:

- FPI जोखिमपूर्ण है; वैश्विक आर्थिक कारकों से प्रभावित बाजार की अस्थिरता संभावित रूप से अस्थिरता एवं मुद्रा के मूल्य में उतार-चढ़ाव का कारण बनती है।
- FPI संरचनाओं की जटिल प्रकृति लाभकारी स्वामियों का निर्धारण करने में चुनौतियाँ पेश करती है, जिससे नधिकेसंभावित दुरुपयोग तथा कर चोरी से संबंधित चर्चाएँ बढ़ जाती हैं।
- FPI परदृश्य की अतिरिक्त चुनौतियों में नियामक जोखिम, वैश्विक आर्थिक स्थितियों में बदलाव तथा वदेशी निवेश रुझान शामिल हैं।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत की वदेशी मुद्रा आरक्षण नधि में नमिनलखिति में से कौन-सा एक मदसमूह सम्मलिति है? (2013)

- (a) वदेशी मुद्रा परसिंपत्ति, वशिष आहरण अधकिार (SDR) तथा वदेशों से ऋण
- (b) वदेशी मुद्रा परसिंपत्ति, भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा धारति स्वर्ण तथा वशिष आहरण अधकिार (SDR)
- (c) वदेशी मुद्रा परसिंपत्ति, वशिर्व बैंक से ऋण तथा वशिष आहरण अधकिार (SDR)
- (d) वदेशी मुद्रा परसिंपत्ति, भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा धारति स्वर्ण तथा वशिर्व बैंक से ऋण

उत्तर: (b)

प्रश्न. भारत में प्रत्यक्ष वदेशी निवेश के संदर्भ में नमिनलखिति में से कौन-सी उसकी प्रमुख वशिषता मानी जाती है? (2020)

- (a) यह मूलतः किसी सूचीबद्ध कंपनी में पूंजीगत साधनों द्वारा कथिा जाने वाला निवेश है।
- (b) यह मुख्यतः ऋण सृजति न करने वाला पूंजी प्रवाह है।
- (c) यह ऐसा निवेश है जिससे ऋण-समाशोधन अपेक्षति होता है।
- (d) यह वदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा सरकारी प्रतभूतियों में कथिा जाने वाला निवेश है।

उत्तर: (b)

- प्रत्यक्ष वदेशी निवेश (FDI) भारत के बाहर के निवासी व्यक्ती द्वारा पूंजीगत साधनों के माध्यम से कथिा गया निवेश है:
- एक असूचीबद्ध भारतीय कंपनी; या
- एक सूचीबद्ध भारतीय कंपनी के पुर्णतः 10% या अधकि पोस्ट पेड-अप इक्वटी पूंजी में।
- इस प्रकार, FDI सूचीबद्ध या गैर-सूचीबद्ध कंपनी में हो सकता है।
- FDI के माध्यम से भारत में निवेश की गई पूंजी को ऋण चुकाने की आवश्यकता नहीं है।
- किसी निवेश को वदेशी पोर्टफोलियो निवेश कहा जाता है, यद भारत बाहर के निवासी व्यक्ती द्वारा (या संस्थागत निवेशकों) द्वारा पूंजीगत साधनों में कथिा गया निवेश है।
- किसी सूचीबद्ध भारतीय कंपनी की पोस्ट इश्यू पेड-अप इक्वटी पूंजी का 10% से कम, या
- किसी सूचीबद्ध भारतीय कंपनी के पूंजीगत साधनों की प्रत्येक शृंखला के भुगतान मूल्य के 10% से कम।
- अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

??????????:

प्रश्न. भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में एफ.डी.आई की आवश्यकता की पुष्टि कीजिये। हस्ताक्षरति समझौता-ज्जापनों तथा वास्तवकि एफ.डी.आई के बीच अंतर क्यों है? भारत में वास्तवकि एफ.डी.आई को बढ़ाने के लयि सुधारात्मक कदम सुझाइये। (2016)

प्रश्न. रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष वदेशी निवेश (FDI) को अब स्वतंत्र बनाया जाना तय है: लघु और दीर्घावधि में भारतीय रक्षा तथा अर्थव्यवस्था पर इसका क्या प्रभाव पड़ने की उम्मीद है? (2014)